

नोट:- सभी प्रश्न करने अनिवार्य हैं।

1. निम्नलिखित कथनों में से एक कथन सत्य है, उसे पहचानकर लिखिए 105

क) जयशंकर प्रसाद किस युग से सम्बन्धित हैं।

अ) द्विवेदी युग से

ब) शक्योन्मत्त युग से

स) शुक्ल युग से

द) भारतेन्दु युग से

ख) कवि वचन सुधा के सम्पादक थे।

अ) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

ब) मुंशी प्रेमचंद

स) डॉ० सम्पूर्णानन्द

द) प्रतापनारायण मिश्र

ग) साहित्य लहरी के रचियता हैं।

अ) तुलसीदास

ब) कवीरदास

स) सूरदास

द) मीरा

घ) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र का नाटक है।

अ) विल्लेसर बकरिहा

ब) भारत दुर्दशा

स) संयोगिता

द) प्रताप

ड) सरदार पूर्णसिंह द्वारा लिखित निबन्ध है।

अ) आचरण की सभ्यता

ब) राष्ट्र का स्वरूप

स) भाग्य और पुरुषार्थ

द) कोई नहीं

2. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे दिये गये प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

सब उन्नतियों का मूल धर्म है। इन सबके पहले धर्म की ही उन्नति करनी उचित है। देखो अंग्रेजों की धर्मनीति परस्पर मिली है। इससे उसकी दिन-दिन कैंसी उन्नति है। उसको जाने दो अपने ही यहाँ देखो तुम्हारे यहाँ धर्म की आड़ में नाना प्रकार की नीति समाज गठन वैद्यक आदि भरे हुये हैं।

अ) प्रस्तुत गद्यांश के पाठ और लेखक का नाम लिखिए।

ब) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिये।

स) अंग्रेजों की धर्मनीतियाँ किससे जुड़ी हैं

द) अंग्रेजों की उन्नति का रहस्य क्या है?

अथवा

प्रेम की भाषा शब्दरहित है। नेत्रों की कपोलों की मस्तक की भाषा भी शब्दरहित है। जीवन का तत्व भी शब्द से परे है। सच्चा आचरण प्रभावशील, अचल-स्थित संयुक्त आचरण न तो साहित्य के लंबे व्याख्यानों से गठा जा सकता है, न वेद की श्रुतियों के मीठे उपदेश से न अंजलि से न कुरान से न धर्मचर्चा से न केवल सत्संग से जीवन के अरण्य में धँसे हुये पुरुष के हृदय पर

प्रकृति और मनुष्य के जीवन के मौन व्याख्यानों के यत्न में सुनार के छोटे हथौड़े की मंद-मंद चोटों की तरह आचरण का रूप प्रत्यक्ष होता है।

क) गद्यांश के पाठ और लेखक का नाम लिखिए।

ख) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिये।

ग) प्रेम की भाषा के द्वारा हमारे हृदय के भावों को किस प्रकार व्यक्त किया जा सकता है?

घ) मानव का सदाचार किसके माध्यम से नहीं प्रकट किया जा सकता है?

ड) शब्दरहित व्याख्यान के माध्यम से सदाचार का धीरे-धीरे होने वाले प्रभाव की तुलना किससे की गई है।

3. निम्नलिखित पद्यांशों पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिये। 10

क) "विनु गोपाल वैरिनि भई कुंजें।

तव वै लता लगति तन सीतल अब भई विपम ज्वाल की पुंजें।

वृथा वहति जमुना खग, बोलत, वृथा कमल फूलानि आनि गुंजें।

पवन, पान घनसार सजीवन दधि-सुत किरान भानु भई भुंजें।

यह उधौ कहियौ माधौ सौ, मदन मारि कीन्ही हम लुंजें।

सूरदास प्रभु तुम्हारे दरस को मग जोवत आँखिया भई छुंजें ॥

अ) उपर्युक्त पद्यांश की रचना एवं रचनाकार का नाम लिखिए।

ब) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिये।

स) श्रीकृष्ण की उपस्थिति में लतायें कैसी लगती थी और वे अब कैसी प्रतीत हो रही हैं।

द) गोपियों को क्या देखकर दुःख होता है?

य) विरह की स्थिति में गोपियों के लिये क्या दाहक बना गया है?

अथवा

3. क) जब मैं था हरि नहीं, अब हरि है मैं नाहिं।

सब आँधियारा मिटि गया, जब दीपक देख्या मांहि ॥

अ) प्रस्तुत गद्यांश के पाठ एवं कवि का नाम लिखिए।

ब) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिये।

स) जब तक कबीर में अहंकार था तब तक उन्हें क्या प्राप्त नहीं हुआ?

द) ज्ञानरूपी दीपक प्रज्वलित होने पर क्या हुआ?

4. क) निम्न लेखकों में से किसी एक लेखक का साहित्यिक परिचय लिखते हुये उनकी कृतियों का उल्लेख कीजिये। 05

अ) भारतेन्दु हरिश्चंद्र

ब) सरदार पूर्ण सिंह

स) डॉ० सम्पूर्णानन्द

ख) निम्न कवियों में से किसी एक कवि का साहित्यिक परिचय लिखते हुये उनकी कृतियों का उल्लेख कीजिये।



- अ) कबीरदास                      ब) गुरुदास                      स) गोस्वामी तुलसीदास
5. बलिदान अथवा आकाशदीप कहानी का उद्देश्य लिखिए।
6. स्वपठित नाटक के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दीजिये।
- क) सूत-पुत्र नाटक के आधार पर कर्ण का चरित्र चित्रण कीजिये।

अथवा

सूत-पुत्र नाटक के प्रथम अंक का सारांश लिखिए।

6. निम्नलिखित एक का संदर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिये।

क) "वासांसि जीर्णानि यथा विहाय।

नवानि गृह्णाति नरोऽपराणि ॥

तथा शरीराणि विहाय जीर्णां।

न्यन्यानि संयाति नवानि देही ॥

अथवा

ख) भारतस्य स्वतन्त्रतान्दोलनस्य इदं नगरं प्रधानकेन्द्रम् आसीत्। श्रीमोतीलाल नेहरू महामना मदनमोहनमालवीयः आजादोपनामकशः चन्द्रशेखरः अन्ये च स्वतन्त्रतासङ्ग्रामसैनिकाः अस्यामेव पावनभूमौ उपित्वा आन्दोलनस्य सञ्चालनम् अकुर्वन् राष्ट्रनायकस्य पण्डित जवाहरलालस्य इयं क्रीडास्थली कर्म भूमिश्च।

8. क) निम्न मुहावरों और लोकोक्तियों में से किसी एक का अर्थ लिखकर वाक्यों का प्रयोग करो।

अ) आँख का तारा                      ब) अंगार उछालना

स) आँखों में धूल झोंकना

ख) निम्न शब्दों के संधि विच्छेद के सही विकल्प का चयन कीजिये। 103

अ) विद्यार्थी का संधि विच्छेद है।

क) विद्या+अर्थी                      ख) विद्य+आर्थी

ग) विद्य+अर्थी

ब) पावकः का संधि विच्छेद है।

क) पा+वकः                      ख) पौ+अकः

ग) पो+अकः                      घ) पाव्+अकः

स) शिक्षालयः का संधि विच्छेद है।

क) शिक्षा+आलयः                      ख) शिक्ष+आलय

ग) शिक्षा+लयः                      घ) शिक्ष+लयः

9. क) निम्नलिखित शब्दों की विभक्ति और वचन के सही विकल्प का चयन कीजिये।

अ) 'जगते' शब्द का विभक्ति और वचन है।

क) चतुर्थी बहुवचन                      ख) चतुर्थी एकवचन

ग) पात्री द्विवचन

घ) तृतीया एकवचन

ख) अनिल-अनल

क) वायु और आग

ख) आग और वायु

ग) जल और कमल

ग) निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के दो अर्थ लिखिए।

अ) मित्र

ब) कनक

स) कृष्ण

द) पानी - जल, नीर

घ) निम्न में से किन्हीं दो वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए।

अ) मोरार्याई कृष्ण भक्त कवि हैं।

ब) लक्ष्मीबाई वीर महिला थीं।

स) इमकी झूठ बोलने से सब परेशान हैं।

ड) निम्न वाक्यांशों के लिये एक शब्द का चयन करके लिखिए।

अ) जो स्त्री कविता लिखती है। - कवयित्री

ब) पृथ्वी और आकाश के बीच का स्थान - अंतरिक्ष

10. क) करुण और शांत रस की परिभाषा एवं उदाहरण लिखिए।

ख) दोहा अथवा चौपाई छंद का लक्षण मात्रा सहित उदाहरण लिखिए।

ग) यमक और रूपक अलंकार की परिभाषा एवं उदाहरण लिखिए।

11. क) अपने नगर या गाँव की सफाई हेतु सम्बन्धित अधिकारी को प्रार्थना-पत्र लिखिए।

अथवा

अपने जनपद के किसी इंटर कॉलेज के प्रबन्धक को हिन्दी विषय में प्रवक्ता पद पर नियुक्ति हेतु एक आवेदन-पत्र लिखिए।

12. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर अपनी भाषा-शैली में निबन्ध लिखिए।

क) शिक्षा में खेलकूद का स्थान

ख) विद्यार्थी का अनुशासन

ग) प्रदूषण:- समस्या और समाधान

घ) भ्रष्टाचार निवारण